चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 16 फ़रवरी 2026, अंक –216.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

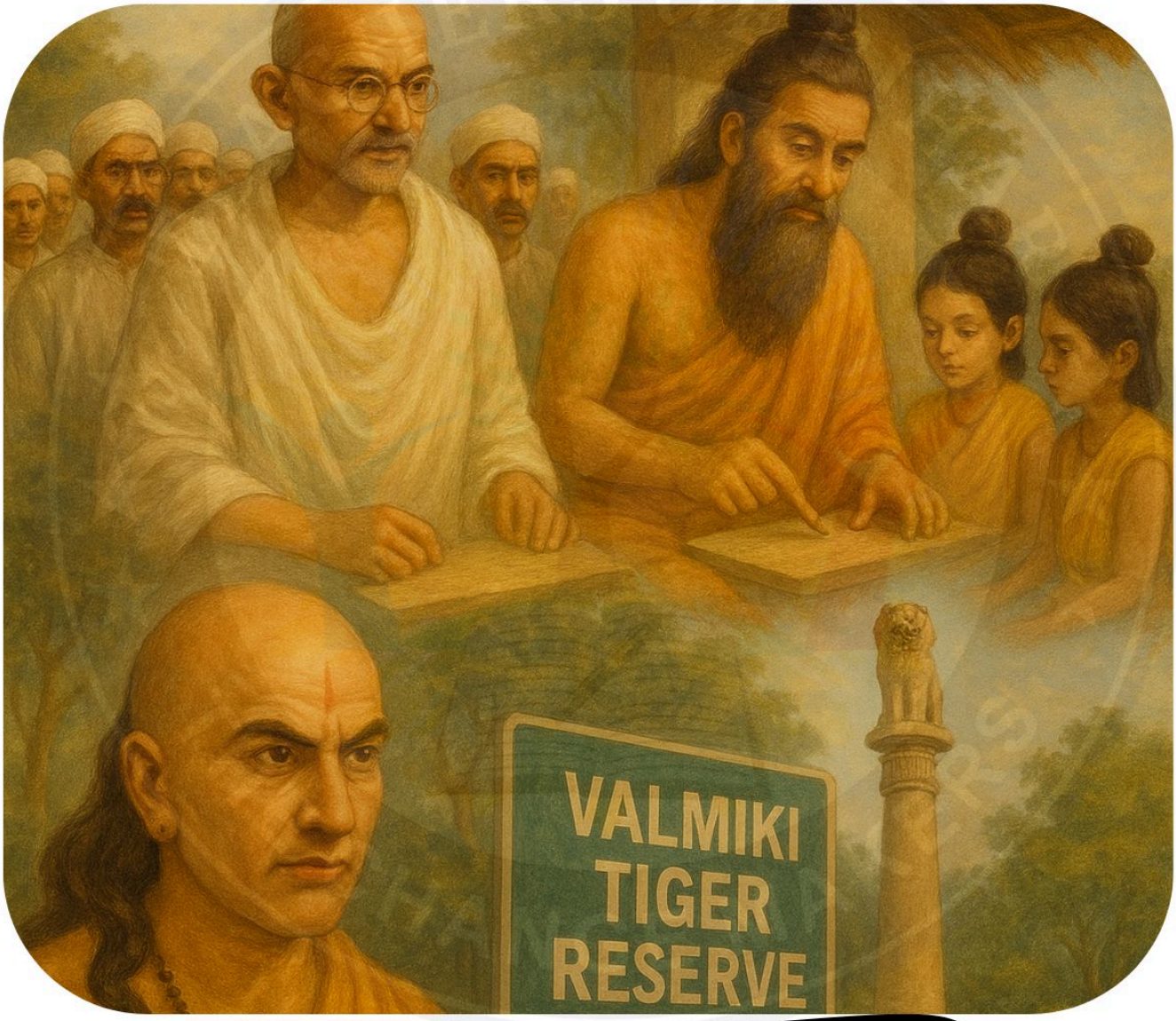

"विश्वास रखो, आप कर सकते हैं।"

— हेलेन केलर

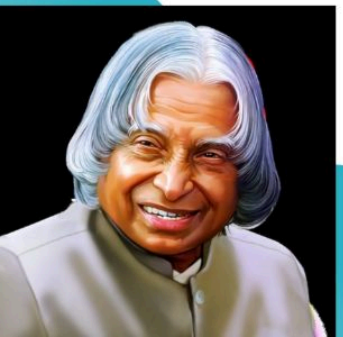

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज किस वैज्ञानिक ने किया?
उत्तर:सर आइजक न्यूटन
प्रश्न 2: इटली की राजधानी कहाँ है?
उत्तर:रोम
प्रश्न 3: 14 फ़रवरी को भारत में ब्लैक डे क्यों मनाया जाता है?
उत्तर: 14 फरवरी 2019 का दिन भारत के इतिहास में एक काला दिन है।
इस दिन जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे।
प्रश्न 4: थाली पकवान और श्रीखंड किस राज्य के प्रसिद्ध व्यंजन हैं?
उत्तर:महाराष्ट्र
प्रश्न 5: 9 एक अभाज्य संख्या है या भाज्य ?
उत्तर: भाज्य (3 से विभाज्य है)
प्रश्न 6: बिहार का एकमात्र बाघ अभ्यारण्य कौन-सा है?
उत्तर:वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व (VTR) बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में स्थित राज्य का एकमात्र और भारत के 18वें बाघ अभ्यारण्य (1990 में स्थापित) के रूप में प्रसिद्ध है।
प्रश्न 7: विद्युत चुम्बक (इलेक्ट्रोमैग्नेट) की खोज किसने की?
उत्तर:विलियम स्टर्जन (1824)
प्रश्न 8: भारत में संविधान दिवस कब मनाया जाता है?
उत्तर:26 नवंबर (26 नवंबर 1949 ई० को संविधान बन कर तैयार हुआ था)
प्रश्न 9: 'इच्छा' का पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर:अभिलाषा, कामना, चाह
प्रश्न 10: मनुष्य के शरीर में भोजन का पाचन सबसे पहले किस अंग में शुरू होता है?
उत्तर:मुख (मुँह में लार के साथ)

संकलन:-

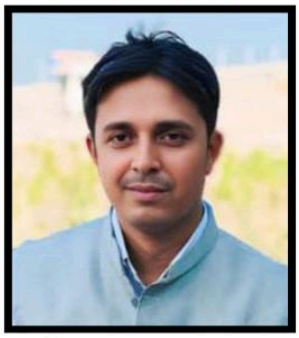

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Take (टेक) – लेना
Took (टुक) – लिया
Taken (टेकन) – लिया गया

Break (ब्रेक) – तोड़ना
Broke (ब्रोक) – तोड़ा
Broken (ब्रोकन) – तोड़ा गया

Choose (चूज़) – चुनना
Chose (चोज़) – चुना
Chosen (चोजन) – चुना गया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

Personal Information:-

What is your name? - आपका नाम क्या है?
My name is Riya. - मेरा नाम रिया है।

How old are you? - आप कितने साल के हैं?
I am 10 years old. - मैं 10 साल का/की हूँ।

सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहा
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 16 फरवरी को भारत में कौन-सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राष्ट्रीय नवाचार दिवस
व्याख्या: 16 फरवरी को भारत में राष्ट्रीय नवाचार दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विज्ञान, तकनीक और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना को भी प्रेरित करता है। विद्यालयों और संस्थानों में नवाचार आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।
संदर्भ: राष्ट्रीय नवाचार दिवस प्रलेख; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) अमेरिका ने भारतीय आयात पर लगने वाले कितने प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ को समाप्त कर दिया है? (समसामयिकी)
उत्तर: 25 प्रतिशत
व्याख्या: 6 फरवरी 2026 के अमेरिकी कार्यकारी आदेश के माध्यम से भारतीय आयात पर लगने वाले अतिरिक्त 25% टैरिफ को समाप्त कर दिया गया। इस निर्णय से भारतीय निर्यातकों को महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मकता मिली है, विशेषकर रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान और रसायन जैसे क्षेत्रों में। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों के साथ बैठक में इस निर्णय की सराहना करते हुए उद्योग जगत से मुक्त व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

3. "The Last of Earth" नामक पुस्तक की लेखिका कौन हैं, जो तिब्बत में 1869 की पृष्ठभूमि पर आधारित है? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: दीपा अनप्पारा
व्याख्या: केरल में जन्मीं पूर्व पत्रकार एवं लेखिका दीपा अनप्पारा की यह दूसरी पुस्तक 12 फरवरी 2026 को प्रकाशित हुई। उनकी पहली पुस्तक 'जिन्न पेट्रोल ऑन द पर्पल लाइन' को न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा वर्ष की सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों में शामिल किया गया था। 'द लास्ट ऑफ अर्थ' में एक भारतीय शिक्षक (जो ब्रिटिश साम्राज्य के लिए जासूसी करता है) और एक अंग्रेज़ महिला खोजकर्ता की तिब्बत में साहसिक यात्रा की कहानी वर्णित है, जो 1869 की पृष्ठभूमि पर आधारित है।
संदर्भ: बीबीसी न्यूज़, बुक रिव्यू 2026।

4. 'जैव विविधता' के संरक्षण हेतु स्थापित 'बायोस्फीयर रिजर्व' का सबसे बाहरी क्षेत्र क्या कहलाता है? (पर्यावरण)
उत्तर: संक्रमण क्षेत्र (ट्रांज़ीशन ज़ोन)
व्याख्या: यूनेस्को के जैवमंडल निकाय (बायोस्फीयर रिजर्व) मॉडल में तीन क्षेत्र होते हैं - (1) केंद्रीय क्षेत्र (कोर ज़ोन) जहाँ कोई मानव हस्तक्षेप नहीं, (2) मध्यवर्ती क्षेत्र (बफर ज़ोन) जहाँ सीमित वैज्ञानिक अनुसंधान की अनुमति, और (3) संक्रमण क्षेत्र (ट्रांज़ीशन ज़ोन) जो सबसे बाहरी क्षेत्र है। संक्रमण क्षेत्र में स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर टिकाऊ संसाधन प्रबंधन, पारिस्थितिकी अनुकूल कृषि और पर्यावरण पर्यटन जैसी गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं, जिससे संरक्षण और विकास के बीच सामंजस्य स्थापित होता है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 8 भूगोल, अध्याय 2 (भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन संसाधन)।

5. स्तूपों के भीतर रखे जाने वाले पवित्र अवशेषों के डिब्बे को क्या कहा जाता था? (इतिहास)
उत्तर: धातु-मंजूषा
व्याख्या: प्राचीन भारत में स्तूपों के भीतर एक छोटा-सा डिब्बा रखा जाता था, जिसे 'धातु-मंजूषा' कहा जाता था। इन डिब्बों में भगवान बुद्ध या उनके अनुयायियों के शरीर के अवशेष (जैसे दाँत, हड्डी या राख) या उनके द्वारा प्रयुक्त वस्तुएँ अथवा कीमती पत्थर एवं सिक्के रखे जाते थे। प्रारंभिक स्तूप धातु-मंजूषा के ऊपर मिट्टी का टीला मात्र होते थे, जिन्हें बाद में ईंटों और तराशे हुए पत्थरों से ढक दिया गया। स्तूप के चारों ओर परिक्रमा हेतु 'प्रदक्षिणा पथ' और रेलिंग को 'वेदिका' कहा जाता था।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (इमारतें, चित्र तथा किताबें)।

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत के किस केन्द्र शासित प्रदेश को 'नारियल का देश' भी कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: लक्षद्वीप
व्याख्या: लक्षद्वीप भारत का सबसे छोटा केन्द्र शासित प्रदेश है, जो अरब सागर में स्थित 36 द्वीपों का समूह है। यहाँ केवल 10 द्वीपों पर मानव आबादी है। ये द्वीप मूंगे की चट्टानों (कोरल एटोल) से निर्मित हैं। यहाँ नारियल की व्यापक खेती होने के कारण इसे 'नारियल का देश' भी कहा जाता है। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक सौंदर्य, सफेद बालू वाले समुद्र तटों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार एवं स्थिति)।

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'राष्ट्रपति पर महाभियोग' की प्रक्रिया का प्रावधान है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 61
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 61 राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया निर्धारित करता है। संविधान के उल्लंघन के आरोप में संसद के किसी भी सदन द्वारा महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। यह आरोप उस सदन के कुल सदस्यों के कम से कम एक-चौथाई सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए, जिसकी सूचना 14 दिन पूर्व दी जानी अनिवार्य है। प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित होना चाहिए। तब दूसरे सदन द्वारा इस आरोप की जाँच की जाती है और यदि वहाँ भी दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होता है, तो राष्ट्रपति पद से हटा दिए जाते हैं।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 5 (विधायिका)।

8. चुंबकीय सुई सदैव किस दिशा में संकेत करती है? (विज्ञान)
उत्तर: उत्तर-दक्षिण दिशा
व्याख्या: चुंबक का सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि यदि किसी चुंबकीय सुई को स्वतंत्र रूप से लटका दिया जाए, तो वह सदैव उत्तर-दक्षिण दिशा में आकर ठहरती है। यही कारण है कि दिक्सूचक (कम्पास) में चुंबकीय सुई का उपयोग दिशा ज्ञान के लिए किया जाता है। सुई के जिस सिरे पर उत्तर लिखा होता है या जो लाल रंग का होता है, वह उत्तर दिशा की ओर संकेत करता है। इसके अतिरिक्त, चुंबक के समान ध्रुव एक-दूसरे का प्रतिकर्षण करते हैं, जबकि विपरीत ध्रुव परस्पर आकर्षित होते हैं।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 विज्ञान, अध्याय 10 (चुंबकों द्वारा मनोरंजन)।

9. प्राचीन तमिल महाकाव्य 'सिलप्पादिकारम' के रचयिता कौन थे? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: इलंगो
व्याख्या: 'सिलप्पादिकारम' (जिसे 'शिलप्पदिकारम' भी कहा जाता है) एक प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य है, जिसकी रचना लगभग 1800 वर्ष पूर्व कवि इलंगो ने की थी। यह तमिल साहित्य के पाँच महाकाव्यों में से एक माना जाता है। इस महाकाव्य की खोई हुई पांडुलिपियाँ लगभग सौ वर्ष पूर्व पुनः प्राप्त हुई थीं। एक अन्य तमिल महाकाव्य 'मणिमेखलाई' की रचना लगभग 1400 वर्ष पूर्व सत्तनार ने की थी। इन ग्रंथों में उस काल के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (इमारतें, चित्र तथा किताबें)।

10. बिहार का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान कौन सा है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान
व्याख्या: वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान बिहार का एकमात्र एवं सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान है, जो पश्चिम चम्पारण जिले में स्थित है। यह नेपाल की सीमा से लगा हुआ है और भारत-नेपाल के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व का हिस्सा है। वर्ष 1989 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। यह लगभग 900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और बंगाल टाइगर, तेंदुआ, जंगली हाथी, स्लॉथ बियर, गौर (भारतीय बाइसन) एवं घड़ियाल सहित विविध वन्यजीवों का आवास है। गंडक नदी इस उद्यान से होकर बहती है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 5 (प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन); बिहार सरकार वन विभाग।

"सामान्य-ज्ञान"

11. जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में "जल संरक्षण" के लिए विद्यालय स्तर पर कौन-से व्यावहारिक उपाय किए जा सकते हैं? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W3)
उत्तर: विद्यालय स्तर पर जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग) प्रणाली स्थापित करना, नलों की मरम्मत कर जल रिसाव रोकना, जल-बचत उपकरणों का उपयोग, तथा विद्यार्थियों को जल के महत्व एवं संरक्षण के तरीकों के प्रति जागरूक करना प्रमुख उपाय हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण बिहार में अनियमित वर्षा एवं जल-जमाव की समस्या बढ़ रही है। विद्यालय स्तर पर जल संरक्षण के प्रयास न केवल जल उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। वर्षा जल संचयन से भू-जल स्तर में वृद्धि होती है और बाढ़ व सूखे जैसी चरम मौसमी घटनाओं के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

12. यदि किसी संख्या का 40% = 80 है, तो उस संख्या का 25% कितना होगा? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: 50
व्याख्या: मान लें संख्या = x, 40% of x = 80, ⇒ 0.40x = 80,
⇒ x = 80 ÷ 0.40 = 200
अब 25% of 200 = (25/100 × 200) = 50
संदर्भ: RS Aggarwal Quantitative Aptitude (प्रतिशत अध्याय); SSC मानक प्रश्नपत्र।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Appreciate (एप्रिशिएट) = Value (वैल्यू) = सराहना करना
Antonym – Criticize (क्रिटिसाइज़) = आलोचना करना
Construct (कन्स्ट्रक्ट) = Build (बिल्ड) = निर्माण करना
Antonym – Demolish (डिमॉलिश) = ध्वस्त करना
Contrast (कॉन्ट्रास्ट) = Compare (कम्पेयर) = तुलना करना
Antonym – Similarity (सिमिलैरिटी) = समानता
Expand (एक्सपैंड) = Enlarge (एनलार्ज) = विस्तार करना
Antonym – Shrink (श्रिंक) = सिकुड़ना
Preserve (प्रिज़र्व) = Protect (प्रोटेक्ट) = संरक्षण करना
Antonym – Destroy (डिस्ट्रॉय) = नष्ट करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. India strengthens digital public infrastructure for citizen services

भारत सरकार ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक सेवाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया है। विभिन्न मंत्रालयों में एकीकृत पोर्टल, ऑनलाइन प्रमाणपत्र और रियल-टाइम सेवा ट्रैकिंग प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना तथा समयबद्ध जनसेवा उपलब्ध कराना है।

2. Government promotes semiconductor and electronics manufacturing ecosystem

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाया है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे तकनीकी आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भागीदारी मजबूत होगी, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण करंट अफेयर्स विषय है।

3. National Education initiatives focus on skill-based and digital learning

शिक्षा क्षेत्र में कौशल आधारित शिक्षा, डिजिटल कंटेंट और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने पर बल दिया गया है। स्मार्ट क्लास, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और मूल्यांकन सुधार के माध्यम से छात्रों की सीखने की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

INTERNATIONAL NEWS

4. Global leaders emphasise climate action and renewable energy transition

विश्व के विभिन्न देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और कार्बन उत्सर्जन में कमी को लेकर नई योजनाएँ बनाई जा रही हैं, जो पर्यावरण और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

5. Major economies expand cooperation in emerging technologies

प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाएँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और डिजिटल व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रही हैं। इससे तकनीकी नवाचार, वैश्विक व्यापार स्थिरता और अनुसंधान के नए अवसर पैदा होने की संभावना है, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के लिए उपयोगी है।

6. Space research collaborations continue to grow worldwide

अंतरिक्ष अनुसंधान में कई देशों के बीच संयुक्त मिशन और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा मिल रहा है। उपग्रह प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अन्वेषण और पृथ्वी अवलोकन परियोजनाओं के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान और आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

BIHAR NEWS

7. Academic monitoring and teacher training strengthened in schools
बिहार शिक्षा विभाग ने विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए विशेष मॉनिटरिंग अभियान तेज किया है। शिक्षकों के प्रशिक्षण, डिजिटल उपस्थिति और नियमित मूल्यांकन प्रणाली को लागू कर सरकारी स्कूलों में सीखने के स्तर को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

8. State reviews infrastructure and development projects
राज्य सरकार ने सड़क, पुल, जलापूर्ति और शहरी विकास से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा की। समयबद्ध कार्यान्वयन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय विकास और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

SPORTS NEWS

9. International cricket tournaments draw global attention
ICC Men's T20 World Cup 2026 सहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन, रिकॉर्ड और रणनीतियाँ खेल करंट अफेयर्स के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बनी हुई हैं।

10. Indian athletes excel in global sporting events
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन, मुक्केबाज़ी और एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। पदक जीत और बेहतर रैंकिंग से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है तथा आगामी ओलंपिक और विश्व प्रतियोगिताओं के लिए भारत की तैयारी मजबूत हुई है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"रोज़ का समाचार, भविष्य की तैयारी — जागरूकता ही सफलता की पहली सीढ़ी है।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

"बरगद का पेड़"

(बदलाव की बयार लाती एक सच्ची प्रेरक कहानी)

पश्चिमी चंपारण जिले के प्रखंड बगहा-2 स्थित प्राथमिक विद्यालय बोदसर की दोमंज़िला इमारत वर्षों से बच्चों के सपनों और किलकारियों की साक्षी रही है। इसी भवन की पिछली दीवार से लगे छत पर, जहां तक पहुंचने का कोई जरिया नहीं था, अनजाने में उगा बरगद का एक नन्हा पौधा धीरे-धीरे बढ़ता गया। समय के साथ वह लगभग आठ फीट ऊँचा हो चुका था। शुरुआत में वह साधारण लगा, पर आठ वर्षों में उसकी जड़ें दीवार को जकड़ने लगीं और भवन की मजबूती पर प्रश्न खड़ा हो गया।

लगभग छह माह पूर्व प्रधान शिक्षक के रूप में आए शैलेन्द्र कुमार ने इस स्थिति को केवल समस्या नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और संवेदनशील निर्णय का अवसर माना। वे प्रकृति-प्रेमी शिक्षक थे। उनका मानना था कि समाधान ऐसा होना चाहिए जिसमें सुरक्षा भी रहे और जीवन भी बचे।

गाँव से मजबूत बाँस मँगवाकर अस्थायी सीढ़ी बनाई गई। जोखिम भरी ऊँचाई पर वे स्वयं चढ़े। अत्यंत सावधानी से जड़ों को ढीला किया गया, आवश्यक हिस्सों को नियंत्रित रूप से अलग किया गया और पूरे सम्मान के साथ पेड़ को नीचे उतारा गया। उसे विद्यालय परिसर के पास सुरक्षित, खुली जगह पर पुनः रोप दिया गया।

उस दिन बच्चों ने एक जीवंत पाठ सीखा—समाधान का अर्थ केवल हटाना नहीं, बल्कि संतुलन बनाना होता है।

अब बच्चे प्रतिदिन उस पौधे को पानी देते हैं। विद्यालय भी उनके नेतृत्व में संवर रहा है—स्वच्छ परिसर, सुसज्जित कार्यालय और सुधरा हुआ वातावरण नई ऊर्जा भर रहे हैं।

आज वह बरगद छोटा है, पर सुरक्षित है। उसने सिखाया कि छोटे, संवेदनशील प्रयास ही बड़े परिवर्तन की आधारशिला बनते हैं। जहाँ संरक्षण है, वहीं विकास है; और जहाँ जिम्मेदारी है, वहीं उज्ज्वल भविष्य। 🌱

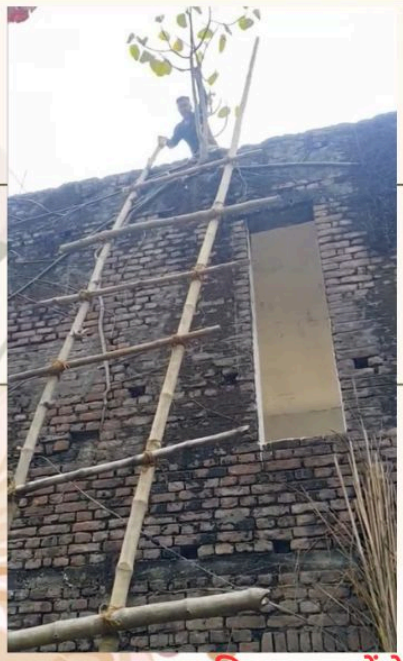

मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"विद्यालय में सतत् व्यापक मूल्यांकन (CCE) क्यों और कैसे ?"

16.02.2026

विद्यालय में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्राप्ति हेतु एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावी प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल परीक्षा लेकर विद्यार्थियों को अंक देना नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण विकास को समझना और सीखने की प्रक्रिया को निरंतर दिशा देना है। पारंपरिक परीक्षा प्रणाली में प्रायः वर्ष में एक या दो बार होने वाली परीक्षाओं के आधार पर बच्चों की योग्यता तय कर दी जाती है, जिससे कई बार विद्यार्थी अपनी वास्तविक क्षमता प्रदर्शित नहीं कर पाते। कुछ छात्र परीक्षा के भय, झिझक या मानसिक दबाव के कारण अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते, जबकि वे दैनिक कक्षा गतिविधियों में सक्रिय और समझदार होते हैं। ऐसी स्थिति में सतत् व्यापक मूल्यांकन विद्यार्थियों के सीखने की वास्तविक स्थिति को समझने का सशक्त माध्यम बनता है।

सतत् व्यापक मूल्यांकन का अर्थ है कि बच्चों का मूल्यांकन पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान निरंतर और विभिन्न आयामों में किया जाए। “सतत्” का आशय है—नियमित और निरंतर आकलन, जबकि “व्यापक” का अर्थ है—विद्यार्थी के बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक और व्यवहारिक पक्षों का समग्र मूल्यांकन। कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक को बच्चों की सहभागिता, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति, कार्य करने की शैली, समूह में सहयोग, अनुशासन तथा रचनात्मकता जैसे पहलुओं का भी ध्यान रखना चाहिए। केवल लिखित परीक्षा ही नहीं, बल्कि मौखिक प्रश्न, परियोजना कार्य, समूह गतिविधियाँ, कार्यपत्रक, चित्र निर्माण, भूमिका निर्वाह (role play) और प्रस्तुतीकरण जैसी गतिविधियों के माध्यम से भी विद्यार्थियों की समझ और कौशल का आकलन किया जाना चाहिए।

उदाहरण के लिए यदि कोई विद्यार्थी भाषा विषय में पढ़ने में झिझक महसूस करता है, तो उसे सीधे परीक्षा में कम अंक देने के बजाय शिक्षक दैनिक पठन गतिविधियों, कहानी वाचन या समूह पाठ के माध्यम से उसकी प्रगति पर ध्यान दे सकते हैं। इसी प्रकार गणित में कठिनाई आने पर छोटे-छोटे अभ्यास, खेल आधारित गतिविधियाँ और जीवन से जुड़े उदाहरणों द्वारा उसकी समझ को विकसित किया जा सकता है। इस प्रकार मूल्यांकन केवल परिणाम जानने का साधन नहीं, बल्कि सुधार की दिशा दिखाने का माध्यम बन जाता है।

CCE को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत प्रगति पर ध्यान दें और उसकी तुलना अन्य विद्यार्थियों से न करें। सकारात्मक प्रतिक्रिया देना, छोटी-छोटी प्रगति की सराहना करना और सीखने के अवसर प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर अभिभावकों को बच्चों की प्रगति से अवगत कराना और घर पर सहयोग हेतु प्रेरित करना भी इस प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाता है। विद्यार्थियों की प्रगति का नियमित अभिलेख रखना और उसके आधार पर आगे की शिक्षण योजना बनाना भी CCE का महत्वपूर्ण भाग है।

इस प्रकार सतत् व्यापक मूल्यांकन केवल एक मूल्यांकन पद्धति नहीं, बल्कि शिक्षण और अधिगम को सशक्त बनाने की सतत प्रक्रिया है। यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाता है, परीक्षा के भय को कम करता है और उन्हें अपनी गति से सीखते हुए आगे बढ़ने का अवसर देता है। यदि शिक्षक संवेदनशीलता, धैर्य और योजनाबद्ध तरीके से CCE को अपनाएँ, तो प्रत्येक विद्यार्थी मुख्यधारा में आ सकता है और विद्यालय में वास्तविक अर्थों में गुणवत्तापूर्ण एवं समावेशी शिक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

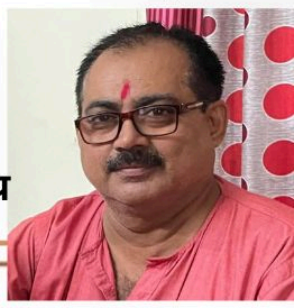

अनुभाग-8

"परीक्षा पर चर्चा"

"पहला बड़ा परीक्षा अनुभव – डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव"

17.02.2026 आज 17 फरवरी 2026 से बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा प्रारंभ हो रही है। हजारों विद्यार्थी पहली बार अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर औपचारिक बोर्ड परीक्षा देने जा रहे हैं। स्वाभाविक है कि मन में हल्का डर, नई जगह की जिज्ञासा और परिणाम को लेकर दबाव महसूस हो। लेकिन यही वह क्षण है जब विद्यार्थी अपने भीतर छिपी वास्तविक क्षमता को पहचानते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "परीक्षा पर चर्चा" में कहा था कि परीक्षा जीवन का उत्सव है, बोझ नहीं। जब हम इसे उत्सव की तरह लेते हैं, तो मन हल्का रहता है और प्रदर्शन बेहतर होता है। पहली बोर्ड परीक्षा हर विद्यार्थी के जीवन में एक नया अनुभव होती है—यह अनुभव आपको मजबूत बनाता है और आत्मविश्वास का नया अध्याय खोलता है।

पहली बार सेंटर पर जाने वाले विद्यार्थियों के लिए सबसे जरूरी है कि वे इस दिन को किसी चुनौती के बजाय एक अवसर के रूप में देखें। परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुँचना, बैठने की व्यवस्था को समझना और शांत मन से प्रश्नपत्र पढ़ना—ये छोटे कदम बड़े आत्मविश्वास का आधार बनते हैं। याद रखें, हर विद्यार्थी आपके जैसा ही है; सभी के मन में थोड़ी घबराहट होती है। फर्क केवल इतना होता है कि जो विद्यार्थी स्वयं को शांत रखते हैं, वही बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

डर से बाहर निकलने का सबसे सरल उपाय है—गहरी साँस लेना और स्वयं से सकारात्मक संवाद करना। परीक्षा कक्ष में बैठने से पहले 30 सेकंड आँखें बंद कर यह कहें, "मैं तैयार हूँ, मैं शांत हूँ, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।" यह छोटा-सा अभ्यास मन को स्थिर कर देता है। प्रश्नपत्र मिलने पर जल्दबाजी न करें; पहले पूरे प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें, फिर सरल प्रश्नों से शुरुआत करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और समय प्रबंधन बेहतर होता है।

अभिभावकों के लिए भी आज का दिन महत्वपूर्ण है। बच्चों को परीक्षा केंद्र भेजते समय केवल इतना कहें—"शांत रहो, अपना सर्वश्रेष्ठ देना।" यह विश्वास उनके मन को हल्का करता है। शिक्षकों की भूमिका भी उतनी ही अहम है; उनका प्रोत्साहन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को मजबूत बनाता है।

प्रिय विद्यार्थियों, यह आपकी पहली बड़ी परीक्षा है, लेकिन याद रखें—यह केवल शुरुआत है, मंज़िल नहीं। हर प्रश्न आपके ज्ञान को परखने आया है, आपको डराने नहीं। मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में प्रवेश करें और संतोष के साथ बाहर निकलें।

आप सक्षम हैं, तैयार हैं और सफल होने की पूरी क्षमता रखते हैं।

डर नहीं, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़िए—आपकी मेहनत अवश्य रंग लाएगी।

कल फिर मिलते हैं। जय हिंद! जय बिहार!🇮🇳

.....✍️
रवीन्द्र कुमार
ज़िला शिक्षा पदाधिकारी
प. चम्पारण, बेतिया।

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org